AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीएचडी का सेकंड सीट अलॉटमेंट जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय में आधा दर्जन से अधिक पीएचडी विषयों का सेकंड सीट अलॉटमेंट जारी किया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि प्राचीन भारतीय इतिहास, बॉटनी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, कॉमर्स, इकनॉमिक्स, एजुकेशन, जियोलॉजी, हिंदी, लॉ, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास, राजनीति विज्ञान का सीट अलॉटमेंट वेबसाइट पर जारी किया गया है। इसके विद्यार्थी 23 नवंबर को दोपहर दो बजे के बाद अपनी फीस जमा कर दें। फीस 25 तक जमा करनी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीटेक-बीफार्मा का हॉस्टल आवंटन जारी

लखनऊ। लविवि में बीटेक प्रथम सेमेस्टर, बीटेक लेटरल एंट्री, बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर, एमसीए प्रथम सेमेस्टर के अभ्यर्थियों की हॉस्टल आवंटन सूची वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह ने चयनित अभ्यर्थियों को 28 नवंबर तक फीस जमा करने को कहा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

कड़ी मेहनत से ही साधारण छात्र बनता है असाधारण

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग में मंगलवार को एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री अल्पसंख्यक कल्याण दानिश आजाद अंसारी ने इसका उद्घाटन करने के बाद उन्होंने छात्रों से कहा कि कड़ी मेहनत और लगन एक साधारण छात्र को भी असाधारण बना देती है।

दानिश अंसारी।

कार्यक्रम के दौरान सांख्यिकीय विभाग के प्रो. राजीव पांडेय ने शोध विचार विकसित करने व प्रभावी शोध पत्र लिखने की जानकारी दी। विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने एफडीपी के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। शोध कौशल, समस्या की पहचान, परिकल्पना विकास सांख्यिकीय उपकरण, शोध पत्र प्रारूप आदि के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुसंधान में कैरिअर बनाने और गुणवत्तापूर्ण शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. सोमेश शुक्ला, प्रो. राम मिलन, डॉ. ऋषिकांत, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. गीतिका टंडन कपूर, डॉ. ज्ञान प्रकाश आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय होंगे लविवि स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि

लखनऊ। लविवि के 102वें स्थापना दिवस पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। मंत्री की ओर से कार्यक्रम के लिए समय दिए जाने पर विवि प्रशासन ने देर रात इसकी पुष्टि की। स्थापना दिवस 25 नवंबर को होगा। स्थापना दिवस को लेकर विवि में तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। इस अवसर पर लविवि के छह विशिष्ट पूर्व छात्र भी मौजूद रहेंगे। स्थापना दिवस समारोह शाम पांच बजे होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

इंटर्नशिप पूरी करने पर दिए प्रमाण पत्र

लखनऊ। लविवि में कर्मयोगी व कर्मोदय योजना के तहत इन हाउस इंटर्नशिप पूरी करने वाले 42 विद्यार्थियों को मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रमाण पत्र बांटे गए। इसमें कर्मोदय योजना के सात व कर्मयोगी के 35 छात्र शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए विवि प्रयासरत है। विवि में छात्रों को पढ़ाई के साथ कमाई का भी अवसर मिला है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने आभार जताया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू कवि प्रदीप पर वृत्तचित्र दिखाएगा

स्थापना दिवस

लखनऊ, विशेष संवाददाता। ऐ मेरे वतन के लोगों जरा याद करो कुर्बानी समेत अविस्मरणीय गीत लिखने वाले कवि प्रदीप को एलयू नमन करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के 102 वें स्थापना दिवस का आयोजन 25 नवम्बर को किया जा रहा है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोरम श्रृंखला देखने को मिलेगी। आयोजन में कवि प्रदीप पर बनायी गई सात मिनट की डाक्यूमेंट्री फिल्म सबसे खास होगी। डीन एकेडमिक्स प्रो राकेश चन्द्रा ने बताया कि कवि प्रदीप लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। उनके जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं को दर्शाती डाक्यूमेंट्री फिल्म छात्र-छात्राओं ने तैयार की है। जिसका प्रदर्शन स्थापना दिवस पर होगा। इसके साथ ही डा. रिर्चा आर्या और उनके सहयोगी भारत दर्शन पर नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत करेंगे। साथ ही भारतीय, श्रीलंका की छात्राएं समूह नृत्य की प्रस्तुति देंगी। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय होंगे।

42 छात्रों को मिले प्रमाण पत्र

एलयू के मंथन हाल में इन हाउस इंटर्नशिप कर्मोदय एवं कर्मयोगी के तहत चयनित छात्रों को इंटर्नशिप पूरी करने पर प्रमाण पत्र दिए गए। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने 42 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

परिश्रम से ही छात्र असाधारण बनते हैं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) मंगलवार से शुरू हुआ। उद्घाटन अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया। उन्होंने छात्र के जीवन में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में भी शामिल होने की सलाह दी और छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन के हर चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का सुझाव दिया उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत एक साधारण छात्र को असाधारण बनाता है।

वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने एफडीपी के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी और अनुसंधान कौशल, समस्या की पहचान, परिकल्पना विकास के बारे में बताया।

i-NEXT PAGE 4

11 विषयों में पीएचडी की सीटें अभी खाली

आज जारी होगी दूसरी कटआफ, दोपहर दो बजे के बाद देख सकते हैं अभ्यर्थी

LUCKNOW (22 Nov) : लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2021-22 के पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया जारी है. इसमें 11 विषय ऐसे हैं, जिनकी सीटें अभी खाली हैं. अब इसमें बुधवार को दूसरी कटआफ जारी की जाएगी. अभ्यर्थी अपनी कटआफ दोपहर 12 बजे के बाद देखकर दो बजे से फीस जमा कर सकेंगे.

इनमें सीटें खाली

एलयू के एडिशनल एडमिशन कोआर्डिनेटर अनित्य गौरव ने बताया कि एंशियन इंडियन हिस्ट्री, बाटनी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, कामर्स, इकोनामिक्स, एजुकेशन, जियोलाजी, हिंदी, ला, पालिटिकल साइंस एवं मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास विषय में पीएचडी की कुछ सीटें खाली हैं. इन पर दूसरा सीट आवंटन बुधवार को अभ्यर्थी देख सकेंगे. फीस जमा करने का अंतिम मौका 25 नवंबर तक है.

मॉलीकुलर बायोलॉजी एवं जेनेटिक कोर्स होगा शुरू

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग में नए सत्र से एमएससी तीसरे व चौथे सेमेस्टर में मालीकुलर बायोलाजी एंड जेनेटिक्स कोर्स शुरू करने की तैयारी है. मंगलवार को विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन की अध्यक्षता में हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस पर चर्चा की गई. तय हुआ कि विभाग के सभी शिक्षकों को यह कोर्स भेजकर सुझाव लिए जाएंगे. फिर जो भी संशोधन होगा, उसे करते हुए अगली बैठक में इसे मंजूरी के लिए रखा जाएगा. यह पेपर मेजर इलेक्टिव के रूप में होगा. बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में बीएससी व एमएससी सेमेस्टर के प्रश्न पत्र बनाने के लिए परीक्षक भी तय कर दिए गए.

एकेटीयू में 26 दिसंबर को 92 मेधावियों को मिलेगा पदक

LUCKNOW (22 Nov) : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) का दीक्षा समारोह 26 नवंबर को होने जा रहा है. इसमें सभी पदक और पीएचडी का अनुमोदन कर दिया गया है. समारोह में अलग-अलग पाठ्यक्रमों में 48 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को डिग्री दी जाएगी. समारोह में 92 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिया जाएगा. 81 शोधार्थियों को पीएचडी अवार्ड होगी. सोमवार को वित्त परिषद की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लगा दी गई है. समारोह में बीटेक में 31309, बीफार्मा में 5447, बीएफएसबीटी में 200, बीआर्क में 268, बीएफएडी में 57, बीडीएस में 19, एमबीए में 8273, एमसीए में 2571, एमबीए आईएनटी में 52, एमसीए आइएनटी में 40, पीएचडी में 81 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी.

JAGRAN CITY PAGE I & III

टैगोर लाइब्रेरी में आडियो लैब की सुविधा जल्द

अपने स्वर्णिम इतिहास को समेटे लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को स्थापना के 102वें वर्ष पूरे करेगा। सबसे खास बात यहां की लाइब्रेरी की है। स्थापना के साथ शुरू हुई इस टैगोर लाइब्रेरी के भवन की नींव चार मार्च 1937 को कुलाधिपति सर हेनरी हेग ने रखी थी। उस समय यहां पढ़ने के लिए 35,000 किताबें थीं। 102 साल के सफर में यह संख्या 5,71,689 पहुंच गई। सर्कुलेटिंग व्यवस्था के तहत छात्र-छात्राओं को हजारों ई-बुक्स, ई-कंटेंट, ई-जर्नल से लेकर तमाम सुविधाएं एक क्लिक पर मिल रहीं। आनलाइन और आफलाइन मोड पर चलने वाली इस लाइब्रेरी में जल्द ही विद्यार्थियों के लिए आडियो लैब की सुविधा भी मिलेगी। पेश है एक रिपोर्ट-

102 साल में 35 हजार से पौने छह लाख किताबों तक पहुंची लाइब्रेरी

दूर होगी नेटवर्क की समस्या

उप पुस्तकालय अध्यक्ष डा. ज्योति मिश्रा ने बताया कि लाइब्रेरी में छात्रों की सुविधाओं के लिए 540 कंप्यूटर लगे हैं। कभी-कभी नेटवर्क की समस्या हो जाती है। इसलिए जल्द ही नया सर्वर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही आडियो लैब स्थापित की जाएगी।

सोने के पानी से लिखी कुरान

टैगोर लाइब्रेरी में कई खास चीजें हैं। सोने के पानी से लिखी कुरान आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा साढ़े 23 फिट लंबी कुरान भी है। राधा कलम मुखर्जी आर्ट गैलरी व सग्रहालय भी बना है।

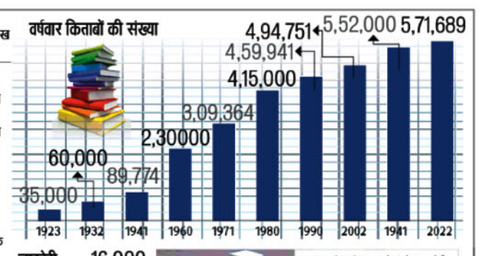

लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर लाइब्रेरी में पढ़ते छात्र • सौजन्य : सचि

जागरण इंफो इनपुट : अखिल सक्सेना

यह सुविधा भी उपलब्ध

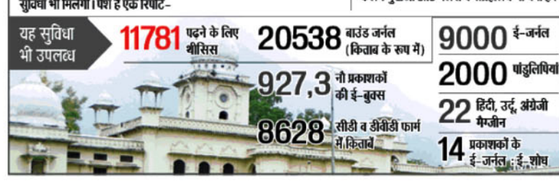

इंटर्नशिप के विद्यार्थियों को दिए प्रमाणपत्र

लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इन हाउस इंटर्नशिप योजना "कर्मोदय" एवं "कर्मयोगी" के तहत चयनित विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कर्मयोगी योजना के सफल छात्र-छात्राओं को इंटर्नशिप की राशि बैंक ट्रांसफर के माध्यम से सीधे खाते में भेजी जा रही। कुलपति प्रो. राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं कौशल वर्धन के अनेक द्वार खोले हैं। कर्मोदय योजना के सात एवं कर्मयोगी के 35 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। छात्रों ने बताया कि ये योजनाएं उनके सीखने के क्रम में काफी सार्थक है, क्योंकि ज्यादातर कंपनियां फ्रेशर अभ्यर्थियों से भी इंटर्नशिप की अपेक्षा रखती हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्यार्थियों की मांग पर कर्मोदय योजना की शुरुआत कुलपति ने छात्र कल्याण केंद्रित कार्यक्रमों के तहत की थी।

स्थापना दिवस समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री होंगे मुख्य अतिथि

लखनऊ विश्वविद्यालय के 102वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि का नाम मंगलवार देर शाम को तय हो गया। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय बतौर मुख्य अतिथि समारोह में शामिल होंगे। लवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 25 नवंबर को समारोह का आयोजन शाम पांच बजे मालवीय सभागार में होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छह विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

बीटेक के लिए हास्टल आवंटन की सूची जारी

जासं, लखनऊ : लवि ने बीटेक प्रथम सेमेस्टर, बीटेक लेटरल एंट्री तृतीय सेमेस्टर, बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर, एमसीए प्रथम सेमेस्टर में हास्टल आवंटन की सूची जारी कर दी। सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जा रही है।

घूमने के साथ पढ़ाई पर भी ध्यान दें छात्र : दानिश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कामर्स विभाग में मंगलवार को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने छात्र-छात्राओं को करियर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। कहा कि कैंपस से निकल कर दुनिया में नाम रौशन करें। अच्छे से पढ़िए। जो अच्छा लगे वो काम करिए। घूमिए, लेकिन पढ़ाई भी बहुत जरूरी है। करियर पर भी उतना ही ध्यान देना होगा।

सात दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन पर दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि जीवन के हर चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार, डीन रिसर्च प्रो. राजीव पांडेय, प्रोफेसर सेमेश कुमार शुक्ला, डा. गीतिका कपूर टंडन, डा. ज्ञान प्रकाश, डा. आकृति जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अभ्यर्थियों को हॉस्टल आवंटित

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) ने प्रथम सेमेस्टर के बीटेक, बीफार्मा व एससीए के अभ्यर्थियों को हॉस्टल आवंटित कर दिया है। इसकी जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध कर दी गई है। जनसंपर्क अधिकारी डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीटेक प्रथम सेमेस्टर, बीटेक लेटरल एंट्री तृतीय सेमेस्टर, बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर, एमसीए प्रथम सेमेस्टर में अभ्यर्थियों को हॉस्टल आवंटन की सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की गई है। उक्त अभ्यर्थी अपनी हॉस्टल फीस 28 नवंबर तक जमा कर दें।

पीएचडी की सेकंड कट ऑफ लिस्ट जारी

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा (सत्र 2021-22) के तहत विषयों में इतिहास, बॉटनी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, कॉमर्स, एजुकेशन, इकनॉमिक्स, जीव विज्ञान हिन्दी आदि की बच गईं सीटों के लिए चयनित अभ्यर्थियों का सेकेंड सीट अलॉटमेंट जारी किया है। अभ्यर्थी कटऑफ सीट को दी गई लॉगिन आईडी का प्रयोग कर देख सकते है और फीस जमा कर सकते है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर तय की गई है।

PIONEER PAGE 3

कर्मोदय व कर्मयोगी योजना में चयनित छात्रों को इंटर्नशिप पूरी करने पर मिला प्रमाण पत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय की इन हाउस इंटर्नशिप योजनाओं में शामिल कर्मोदय एवं कर्मयोगी के तहत चयनित छात्रों को इंटर्नशिप पूरी करने पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने समग्र विकास के लिए सुनिश्चित प्रयास किए जाने पर बल दिया। प्रो. राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने छात्र छात्राओं के समग्र विकास एवं कौशल वर्धन के अनेक द्वार खोले हैं जिसके परिणाम राष्ट्र निर्माण में दूरगामी साबित होंगे। इस अवसर पर कर्मोदय योजना के 7 छात्रों एवं कर्मयोगी योजना के 35 छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कर्मयोगी योजना के सफल छात्र छात्राओं को इंटर्नशिप की राशि बैंक ट्रांसफर द्वारा सीधे खाते में भुगतान की जा रही है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कर्मयोगी योजना की सफलता से प्रेरित छात्रों की बेहद मांग पर कर्मोदय योजना की शुरूआत कुलपति द्वारा छात्र कल्याण केंद्रित कार्यक्रमों के तहत की गई थी।

PIONEER PAGE 4

हाफ सेंचुरी लिखी शिष्य ने, अब शतक तक पहुंचाएंगे गुरु

- 25 को 102 वर्ष का हो जाएगा लविवि, उच्च शिक्षा मंत्री होंगे स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि
- सोशियोलॉजी ऐट द यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ पुस्तक लिखकर विवि को पहुंचाया अंतरराष्ट्रीय फलक पर

सतीश सिंह। लखनऊ

25 नवंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय 102 वर्ष का हो जाएगा। इस दिन एलुमिनाई एसोसिएशन द्वारा स्थापना दिवस का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। 25 नवंबर को प्रस्तावित लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय शामिल होंगे। इस मौके पर विवि के पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जायेगा।

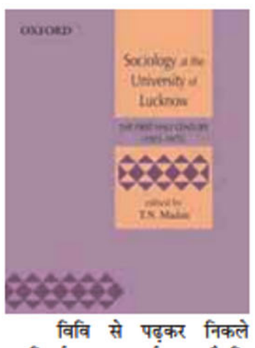

विवि से पढ़कर निकले एलुमिनाई का यह फर्ज बनता है कि जिस मुकाम पर वो है, उसके जरिए संस्थान को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। इन्ही एलुमिनाई में से विवि से पढ़कर निकले प्रो. टी.एन.मदन एक ऐसे एलुमिनाई हैं, जिन्होंने हाफ सेन्चुरी लिखकर विवि का वैश्विक पटल पर नाम रौशन किया है। ऐसे में अब शिष्य द्वारा लिखी हाफ सेन्चुरी को विवि के गुरु शतक की यात्रा तक पूरा करेंगे। वैसे तो लखनऊ विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन हस्तियां दी हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय फलक पर भी अपना नाम रौशन किया है। इनमें पूर्व राष्ट्रपति स्व. शंकर दयाल शर्मा से लेकर सुरजीत सिंह बरनाला, आरिफ मोहम्मद खान जैसे लोगों की लंबी फेहरिस्त है, जिन्होंने विवि से पढ़ाई की है। इन्ही में एक प्रो. त्रिलोकी नाथ मदन (टी.एन.मदन) शामिल हैं। विवि के पूर्व छात्र रहे प्रो. टी.एन.मदन ने अपने जीवन में कई पुस्तकें लिखी हैं। इनमें से उनकी एक पुस्तक विवि की 50 वर्ष की यात्रा पर आधारित है। उनकी पुस्तक का नाम सोशियोलॉजी ऐट द यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ (द फर्स्ट हाफ सेन्चुरी 1921-1975) है, जिसे ऑक्सफोर्ड प्रेस ने पब्लिश किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद से सेवानिवृत प्रो. मदन ने इस पुस्तक में विवि के समाजशास्त्र विभाग की यात्रा का वृतांत वर्णन किया है। पुस्तक में प्रो. राधाकमल मुखर्जी, प्रो डी.पी. मुखर्जी, प्रो. डी.एन.मजुमदार, प्रो. ए.के. सरन के समय का वर्णन है। पुस्तक में वैचारिक और सामाजिक अभिविन्यासों का समावेश है। यह पुस्तक छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की समृद्ध विरासत से परिचित कराती है। अपने जीवन के 90 बसंत पार कर चुके प्रो. मदन वर्तमान में दिल्ली में रहते हैं। इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी आफ इंडिया की तरफ से वर्ष 2008 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित प्रो मदन से पुस्तक को लेकर कई बार संपर्क करने की कोशिश की गयी, लेकिन उम्र की अधिकता के चलते उनकी तरफ से प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

1975 से 2022 तक के सफर को स्पेशल वॉल्यूम के जरिए करेंगे पूरा: समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. डी.आर. साहू का कहना है कि समाजशास्त्र विभाग को 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं। प्रो. टी.एन.मदन विवि के पहले ऐसे छात्र हैं, जिन्होंने अपने अनुभव और विकास यात्रा को द फर्स्ट हाफ सेन्चुरी 1921-1975 में शामिल किया है। ऐसे में 1975 से वर्ष 2022 तक की विभाग की यात्रा को दस्तावेज (स्पेशल वॉल्यूम)के रूप में तैयार करने की प्रस्तावना फाइनल कर ली गयी है। उम्मीद है कि आगामी 6 माह के अंदर हाफ सेन्चुरी का सफर शतक के रूप में मूर्त रूप ले लेगा।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

छात्रों को इंटर्नशिप पूरी करने पर कुलपति ने दिये प्रमाण पत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में आयोजित एक कार्यक्रम मे लखनऊ विश्वविद्यालय की इन हाउस इंटर्नशिप योजनाओं 'कर्मोदय' एवं 'कर्मयोगी' के तहत चयनित छात्रों को इंटर्नशिप पूरी करने पर कुलपति माननीय प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर छात्र छात्राओ को सम्वोधित करते हुए समग्र विकास के लिए सुनिश्चित प्रयास किए जाने पर वल दिया। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने छात्र छात्राओ के समग्र विकास एवं कौशल वर्धन के अनेक द्वार खोले हैं जिसके परिणाम राष्ट्र निर्माण मे दूरगामी सावित होंगे। इस अवसर पर कर्मोदय योजना के 7 छात्रों एवं कर्मयोगी के 35 छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कर्मयोगी योजना के सफल छात्र छात्राओ को इंटर्नशिप की राशि वैक ट्रांसफर द्वारा सीधे खाते मे भुगतान करी जा रही है। छात्रों ने वताया कि यह योजनाऐं उनके सीखने के क्रम मे काफी सार्थक है क्योंकि ज्यादातर कंपनियां फ्रेशर उम्मीदवारों से भी इंटर्नशिप की अपेक्षा रखती है। इसके साथ ही उन्हे टीम मे समयवद्ध तरीके से कार्य करने के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास मे काफी सहायता मिलती है। 'कर्मोदय' एवं 'कर्मयोगी' योजना मे विश्वविद्यालय के सभी अंतिम और पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्र भाग ले सकते है। कर्मोदय योजना में, इंटर्नशिप की अवधि 50 दिनों से लेकर 6 महीने तक है, जवकि कर्मयोगी योजना के तहत छात्र 50 दिन तक प्रतिदिन 2 घंटे अपने कौशल के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों मे कार्य कर सकते है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

'कर्मोदय' व 'कर्मयोगी' छात्र सम्मानित

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय इन हाउस इंटर्नशिप योजना "कर्मोदय" एवं "कर्मयोगी" के तहत चयनित छात्रों की इंटर्नशिप पूरी होने पर मंगलवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रमाण पत्र देते हुए छात्र व छात्राओं से समग्र विकास के लिए सुनिश्चित प्रयास पर जोर दिया।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने छात्र-छात्राओं के समग्र विकास व कौशल वर्धन के अनेक द्वार खोले हैं। जिसके परिणाम राष्ट्र निर्माण में दूरगामी साबित होंगे। इस अवसर पर कर्मोदय योजना के 7 छात्रों व कर्मयोगी के 35 छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही कर्मयोगी योजना के सफल छात्र-छात्राओं को इंटर्नशिप की राशि बैंक ट्रांसफर द्वारा सीधे खाते में भुगतान की गई।

अंतिम वर्ष के छात्र लें भाग

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कर्मयोगी योजना की सफलता से प्रेरित छात्रों की मांग पर 'कर्मोदय' योजना की शुरूआत कुलपति द्वारा छात्र कल्याण केंद्रित कार्यक्रमों के तहत की गई। मालूम हो कि 'कर्मोदय' (अवैतनिक इन-हाउस इंटर्नशिप) एवं "कर्मयोगी" योजना (भुगतान सहित इंटर्नशिप) में विश्वविद्यालय के सभी अंतिम और पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्र भाग ले सकते हैं। कर्मोदय योजना में इंटर्नशिप की अवधि 50 दिनों से लेकर 6 महीने तक है, जबकि कर्मयोगी योजना के तहत छात्र 50 दिन तक प्रतिदिन 2 घंटे अपने कौशल के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्य कर सकते हैं।

कर्मयोगी छात्र व छात्राओं को बांटे गए प्रमाण पत्र, मंथन हाल में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ अन्य शिक्षक व छात्र।

योजना

- छात्र व छात्राओं के समग्र विकास के लिए सुनिश्चित प्रयास पर दिया गया जोर

छात्र बोले, इंटर्नशिप से मिलेगा लाभ

छात्रों ने बताया कि यह योजनाएं उनके सीखने के क्रम में काफी सार्थक हैं क्योंकि ज्यादातर कंपनियां फ्रेशर उम्मीदवारों से भी इंटर्नशिप की अपेक्षा रखती हैं। इसके साथ ही उन्हें टीम में समयबद्ध तरीके से कार्य करने के साथ- साथ व्यक्तित्व विकास में काफी सहायता मिलती है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ही बनाता है छात्र को असाधारण

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में 'एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम' का उद्घाटन मुख्य अतिथि, अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया। उन्होंने कहा कि जीवन के हर चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे, क्योंकि यह एक साधारण छात्र को असाधारण बनाता है।

उन्होंने छात्र के जीवन में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में भी शामिल होने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन के हर चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। क्योंकि यह एक साधारण छात्र को असाधारण बना देता है। मुख्य अतिथि दानिश आजाद अंसारी ने अपनी सफलता का श्रेय वाणिज्य विभाग व उनके शिक्षकों को दिया।

कार्यक्रम के संयोजक वाणिज्य विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने एफडीपी के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी और अनुसंधान कौशल, समस्या की पहचान, परिकल्पना विकास सांख्यिकीय उपकरण, शोध पत्र प्रारूप आदि के महत्व पर जोर दिया। साथ ही प्रतिभागियों को अनुसंधान में करियर बनाने और संगठनों और समाज को लाभ पहुंचाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पूर्व डॉ. ऋषिकांत एफडीपी की शुरूआत की।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र की शुरुआत लविवि के सांख्यिकीय विभाग प्रो. राजीव पांडेय ने शोध विचार विकसित करने और प्रभावी शोध पत्र लिखने के विषय पर रोशनी डाली। सत्र का समापन कार्यक्रम के आयोजक सचिव प्रो. राम मिलन के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्रो. सोमेश कुमार शुक्ला, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. गीतिका टंडन कपूर, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. आकृति जायसवाल व डॉ. श्रुति कीर्ति कौशल आदि मौजूद रहीं।

लविवि में कार्यक्रम को संबोधित करते अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, साथ में अन्य। अमृत विचार

आयोजन

- राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया वाणिज्य विभाग में 'एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम' का उद्घाटन

TARUN MITRA PAGE 12

कर्मोदय व कर्मयोगी योजना के चयनित छात्रों को कुलपति ने दिये प्रमाण पत्र

लखनऊ, 22 नवम्बर (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में आयोजित एक कार्यक्रम मे लखनऊ विश्वविद्यालय की इन हाउस इंटर्नशिप योजनाओं 'कर्मोदय' एवं 'कर्मयोगी' के तहत चयनित छात्रों को इंटर्नशिप पूरी करने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए समग्र विकास के लिए सुनिश्चित प्रयास किए जाने पर बल दिया। कुलपति ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं कौशल वर्धन के अनेक द्वार खोले हैं जिसके परिणाम राष्ट्र निर्माण में दूरगामी साबित होंगे।